>

Title: Need to clear the backlog of pending cases in various courts.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (सम्भल): आपका ध्यान मैं सुप्रीम कोर्ट सहित देश की सभी अदालतों में लंबित पड़े लगभग 2,72,76,000 मुकदमों की ओर दिलाना चाहता हूं। कुछ जजों के बयान के मुताबिक भी इन मुकदमों के निपटाने में सैंकड़ों साल लग जायेंगे, जो कि बेहद चिंता का विषय है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह देशभर की अदालतों में लंबित पड़े दो करोड़ बहत्तर लाख छियत्तर हजार मुकदमों का किसी नई प्रणाली से निपटारा करवायें।